

नेपा मिल की ओर से आयोजित हुई संवादात्मक कार्यशाला

साइबर अपराधों से निपटने के लिए मजबूत साइबर सुरक्षा और स्वच्छता बेहद ज़रूरी



पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नेपानगर केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय भारत सरकार के उपक्रम नेपा लिमिटेड के प्रशासनिक भवन में साइबर सुरक्षा और स्वच्छता विषय पर एक संवादात्मक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का सीएमडी राकेश कुमार चोखानी द्वारा शुभारंभ किया।

सीएमडी चोखानी ने कहा कि साइबर अपराध आज के दौर की एक गंभीर समस्या है। व्यक्ति, सरकार लाभ कमाने वाली कंपनियां, गैर लाभकारी संगठन और शैक्षणिक संस्थान सभी साइबर हमलों और डेटा उल्लंघनों के जोखिम पर हैं। साइबर अपराधों से निपटने के लिए मजबूत साइबर सुरक्षा और स्वच्छता बेहद ज़रूरी है। साइबर सुरक्षा और स्वच्छता से हम अपने डेटाएं पैसे और निजी जानकारी को सुरक्षित रख सकते हैं।

मुख्य वक्ता मुख्य सतर्कता अधिकारी विनीत कुमार ने बताया कि साइबर सुरक्षा डिजिटल हमलों से सिस्टम, नेटवर्क और प्रोग्राम की सुरक्षा करने का अभ्यास है। इन साइबर हमलों का उद्देश्य आमतौर



कार्यशाला का हुआ आयोजन।

पर संवेदनशील जानकारी तक पहुंचना उसे बदलना या नष्ट करना, साइबर सुरक्षा इंटरनेट से जुड़े उपकरणों और सेवाओं को हैक्स, स्पैमर्स और साइबर अपराधियों के दुर्भवनापूर्ण हमलों से बचाने के लिए की जाने वाली सुरक्षा है।

कंपनियां फैशिंग योजनाओं, सैनसमवेयर हमलों, पहचान की चोरी, डेटा उल्लंघनों और वित्तीय नुकसानों से बचाव के लिए आज के आधुनिक और डिजिटल युग में सायबर सुरक्षा और स्वच्छता का अभ्यास अत्यावश्यक हो गया है। आगे उहोंने बताया कि डिजिटल अरेस्ट जैसी कोई चीज नहीं है। यह सिफ मन का डर है, जिसका फायदा साइबर अपराधी उठाते हैं। कोई भी

अनजान व्यक्ति फोन कर डरा, धमका, तो घबराएं नहीं। उसकी कॉल काटकर तत्काल पुलिस की मदद लें।

सूचना 1930 पर दे

संदर्भ कॉल की सूचना तुरंत साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 पर दें। बातचीत को रिकॉर्ड करें या स्क्रीनशॉट ले। लुभावने वाले ऑफर वाले ट्रेडिंग और ऑनलाइन गेम से बचें। सोशल मीडिया पर भी ध्यान रखें। फ्री के लालच और भय से दूर रखना सबसे कारगर उपाय हैं। जन संपर्क अधिकारी संदीप ठाकरे ने बताया कि साइबर स्वच्छता केन्द्र यबॉटनेट क्लीनिंग और मैलवेयर विश्लेषण केंद्र, भारत सरकार की राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा नीति के बारे में भी जानकारी दी गई। इस दौरान प्रबंधक कार्मिक व प्रशासन महेंद्र केशरी, प्रबंधक सतर्कता संजीव कानडे, उप प्रबंधक पावर हाउस मुथीर पटले, उप प्रबंधक अनुरक्षण विजेंद्र चौधरी, विजेंद्र यादव, दीपक सिंह ठाकुर, दिनेश सोवले, सुनील कुमार राव, आशुतोष मिश्रा, मुकेश चौहान, देवीदास लोखड़े, निलेश पाटिल, आदित्य तिवारी, गणेश दीक्षित, संगीता लाल, मोहम्मद इलियास सिद्दीकी, अंशुल मेहरा, सपना दुबे, अदिति मतलाने, मीत भट्ट, शिव उमाले, सुशील चौहान आदि उपस्थित थे।

नेपा लिमिटेड के प्रशासनिक भवन में साइबर सुरक्षा और स्वच्छता विषय पर एक संवादात्मक कार्यशाला का आयोजन का शुभारंभ

दैनिक खबरों की रोशनी जिला ब्लूरो चीफ रविंद्र डांगले बुरहानपुर। केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय भारत सरकार के उपकरण नेपा लिमिटेड के प्रशासनिक भवन में साइबर सुरक्षा और स्वच्छता विषय पर एक संवादात्मक कार्यशाला का ओर आयोजन किया गया। कार्यशाला का सीएमडी रामेश कुमार चोखाना द्वारा शुभारंभ किया। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में उपस्थित अफसर कर्मियों को संबोधित करते हुए सीएमडी चोखाना ने कहा कि साइबर अपराध आज के दौर की एक गंभीर समस्या है। व्यक्ति, सरकारें, लाभ कमाने वाली कंपनियाँ, गैर-लाभकारी संगठन

नहीं हैं। यह सिर्फ मन का डर है, जिसका फायदा साइबर अपराधी उठाते हैं। कोई भी अनजान व्यक्ति फोन कर डारें, धमकाएं तो घबराएं नहीं। उसकी कॉल काटकर तत्काल पुलिस की मदद लें। कहा कि साइबर अपराध से बचाव के लिए सतर्कता आवश्यक है। किसी भी स्थिति में डिजिटल अरेस्ट से डरना नहीं चाहिए क्योंकि यह कानून में अपराध की श्रेणी में नहीं आता। डिजिटल अरेस्ट, साइबर ठगों का एक तरीका है, इसमें राग, पुलिस या कस्टम अधिकारी बनकर लोगों को घोषा देते हैं और ऐसे वसूलते हैं। किसी भी अनजान नंबर से आने वाली कॉल

या बीडियो कॉल पर भरोसा न करें।

पुलिस, सीबीआई, ईडी जैसी एजेंसियां किसी को भी फोन करके डिजिटल अरेस्ट नहीं करतीं। किसी भी निजी जानकारी को अनजान नंबर से आने वाली कॉल पर साझा न करें। दबाव में ऐसे ट्रांसफर न करें। संदिग्ध कॉल की सूचना तुरंत साइबर काइप हेल्पलाइन नंबर 1930 पर दें। बातचीत को रिकॉर्ड करें या स्क्रीनशॉट लें। लुभावने वाले ऑफर वाले ट्रेडिंग और ऑनलाइन गेम से बचें। सोशल मीडिया पर भी ध्यान रखें। फी के लालच और भय से दूर रखना सबसे कारगर उपाय हैं। जन संपर्क अधिकारी संदीप ठाकरे ने बताया कि नेपा लिमिटेड के मुख्य सतर्कता अधिकारी विनात कुमार, भारतीय राजस्व सेवा द्वारा इस विशेष कार्यशाला में नेपा लिमिटेड के अधिकारियों और कर्मचारियों को इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeITY) के तहत भारत सरकार द्वारा संचालित साइबर स्वच्छता केन्द्र (बॉनेट क्लीनिंग और मैलवेयर विश्लेषण केंद्र) तथा भारत सरकार की राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा नीति के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी गई।



और शैक्षणिक संस्थान सभी साइबर हमलों और डेटा उल्लंघनों के जोखिम पर हैं। साइबर अपराधों से निपटने के लिए मजबूत साइबर सुरक्षा और स्वच्छता बेहद जरूरी है। साइबर सुरक्षा और स्वच्छता से हम अपने डेटा, पैसे, और निजी जानकारी को सुरक्षित रख सकते हैं। मुख्य बच्चा, मुख्य सतर्कता अधिकारी विनात कुमार, भारतीय राजस्व सेवा ने कार्यशाला में बिदुवार विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि साइबर सुरक्षा डिजिटल हमलों से सिस्टम, नेटवर्क और प्रोग्राम को सुरक्षा करने का अभ्यास है। इन साइबर हमलों का उद्देश्य आमतौर पर संवेदनशील जानकारी तक पहुँचना, उसे बदलना या नष्ट करना; रैनसमवेयर के माध्यम से उपयोगकर्ताओं से पैसे ऐंटना या सामान्य व्यावसायिक प्रक्रियाओं को बाधित करना होता है। साइबर सुरक्षा इंटरनेट से जुड़े उपकरणों और सेवाओं को हैकर्स, स्पैमर्स और साइबर अपराधियों के दुर्भावनापूर्ण हमलों से बचाने के लिए की जाने वाली सुरक्षा है। कंपनियाँ फिलिंग योजनाओं, रैनसमवेयर हमलों, पहचान की चोरी, डेटा उल्लंघनों और वित्तीय नुकसानों से बचाव के लिए आज के आधुनिक और डिजिटल युग में सायबर सुरक्षा और स्वच्छता का अभ्यास अत्यावश्यक हो गया है। आगे उन्होंने बताया कि डिजिटल अरेस्ट जैसी कोई चीज

सतर्कता अधिकारी विनात कुमार, भारतीय राजस्व सेवा द्वारा इस विशेष कार्यशाला में नेपा लिमिटेड के अधिकारियों और कर्मचारियों को इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeITY) के तहत भारत सरकार द्वारा संचालित साइबर स्वच्छता केन्द्र (बॉनेट क्लीनिंग और मैलवेयर विश्लेषण केंद्र) तथा भारत सरकार की राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा नीति के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी गई। दैनिक जीवन में डिजिटल मंचों पर सुरक्षित रहने के लिए निःशुल्क सुरक्षा उपकरणों जैसे कि अबास्ट फी एंटीवायरस, मालवेयरबाइट्स, वायरस स्कैनर, इत्यादिका स्मार्टफोन, लैपटॉप और कंप्यूटर पर व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। इस दौरान प्रबंधक कर्मिक एवं प्रशासन महेंद्र केशरी, प्रबंधक सतर्कता संचालक कानूने, उप प्रबंधक पावर हाउस सुधीर पटले, उप प्रबंधक अनुरक्षण विजेंद्र चौधरी, उप प्रबंधक इस्टर्न बैंडेशन विजेंद्र यादव, दीपक सिंह ठाकुर, दिनेश सोबले, सुनील कुमार राव, आशुतोष मिश्र, मुकेश चौहान, देवीदास लोखड़े, निलेश पाटिल, आदित्य तिवारी, गणेश दीक्षित, संगीता लाल, मोहम्मद इलियास सिद्दीकी, अंशुल मेहरा, सपना दुबे, अदिति मतलाने, मीत भट्ट, शिव उमाल, सुशील चौहान आदि उपस्थित थे।

नेपा लिमिटेड में साइबर सुरक्षा और स्वच्छता पर कार्यशाला का आयोजन

स्वदेश समाचार ■ बुरहानपुर

केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के उपक्रम नेपा लिमिटेड के प्रशासनिक भवन में साइबर सुरक्षा और स्वच्छता विषय पर एक संवादात्मक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ सीएमडी राकेश कुमार चोखानी द्वारा किया गया।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए सीएमडी चोखानी ने कहा कि साइबर अपराध आज के दौर की एक गंभीर चुनौती है। व्यक्ति, सरकारें, कंपनियाँ और संस्थान सभी साइबर हमलों एवं डेटा उल्लंघनों के खतरे में हैं। उन्होंने कहा कि मज़बूत साइबर सुरक्षा और स्वच्छता अपनाकर हम अपने डेटा,



कार्यक्रम • नेपा मिल के प्रशासनिक भवन में हुई साइबर सुरक्षा, स्वच्छता कार्यशाला साइबर अपराध आज के दौर की एक गंभीर समस्या : सीएमडी

मास्टर संचादकाता | नेपालग्र

केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय भारत सरकार के उपक्रम नेपा लिमिटेड के प्रशासनिक भवन में साइबर सुरक्षा और स्वच्छता विषय पर एक संवादात्मक कार्यशाला हुई। शायांभ सीएमडी राजेश कुमार चौधारी ने किया। उन्होंने कहा— साइबर अपराध आज के दौर की एक गंभीर समस्या है। व्यक्ति, सकरें, लाभ कमाने वाली कंपनियाँ, गैर लाभकारी संगठन और शैक्षणिक संस्थान सभी साइबर हमलों और डेटा उल्लंघनों के ज़ोखियाँ हैं। साइबर अपराधों से निपटने के लिए मजबूत साइबर सुरक्षा और स्वच्छता बोहद जरूरी है। साइबर सुरक्षा और स्वच्छता से



नेपा मिल प्रशासनिक भवन में कार्यशाला हुई।

हम अपने डेटा, पैसे और निजी कल्पितिंग और मैलवेयर विश्लेषण जानकारी को सुरक्षित रख सकते केंद्र, राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा नीति हैं। जस्तांपक अधिकारी संदीप के बारे में भी जानकारी दी गई। ठाकरे ने बताया कार्यशाला में नेपा मुख्य बक्ता व मुख्य सतर्कता विभाग द्वारा उल्लंघनों के अधिकारियों और अधिकारी विनीत कुमार भारतीय कर्मचारियों को इलेक्ट्रॉनिक्स और राजस्व सेवा ने कार्यशाला में सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के बताया कि साइबर सुरक्षा डिजिटल तहत भारत सरकार द्वारा संचालित हमलों से सिस्टम, नेटवर्क और साइबर स्वच्छता केंद्र बॉटेन प्रोग्राम की सुरक्षा करने का

सतर्क रहकर ही बच सकते हैं साइबर अपराध से

कंपनियां फिरिंग योजनाओं, रैनसम्बेयर हमलों, पहचान की चोरी, डेटा उल्लंघनों और वित्तीय नुकसानों से बचाव के लिए आज के आधुनिक और डिजिटल युग में साइबर सुरक्षा और स्वच्छता का अभ्यास अत्यावश्यक हो गया है। अगे उहोंने बताया कि डिजिटल अरेस्ट जैसी कई चीज़ नहीं है। कई भी अनजान व्यक्ति फोन कर डाए, धमकाएं तो घबराएं नहीं। उसकी काल काटकर तकलीफुलिस की मदद लें। कहा कि साइबर अपराध से बचाव के लिए सतर्कता आवश्यक है।

अध्यास है। कार्यशाला में प्रबंधक आशुषोष मिश्र, मुकेश चौहान, कार्मिक व प्रशासन महेंद्र केशरी, देवीदास लोखड़े, निलेश पाटिल, प्रबंधक सतर्कता संजीव कान्ठे, आदिय तिवारी, गणेश दीपेश्वर, उपप्रबंधक पावर हाउस सुधीर संगीता लाल, मोहम्मद इलियास पटल, उपप्रबंधक अनुकृष्ण विजेन्द्र सिंहीकी, अंगुल मेहरा, सपना चौधरी, उपप्रबंधक इंस्ट्रुमेंटेशन दुबे, अदिति मतलाने, मीत भट्ट, बिंजेंद्र यादव, दीपक सिंह ठाकुर, शिव उमाले, सुशील चौहान दिनेश सोबते, सुनील कुमार राव, मीजूदथे।

आगाज़ इंडिया

इंवेस्ट, सोमवार-03 मार्च, 2025

8

प्रदेश

नेपा लिमिटेड के प्रशासनिक भवन में साइबर सुरक्षा और स्वच्छता विषय पर एक संवादात्मक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

नेपाल-आगाज़ इंडिया-संवीक डाक्टर

केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय भारत सरकार के उपक्रम नेपा लिमिटेड के प्रशासनिक भवन में साइबर सुरक्षा और स्वच्छता विषय पर एक संवादात्मक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला का सोयांपी राकेश कुमार चौधारी ने द्वारा शुरूआत किया। कार्यशाला के उदाहरण सत्र में उपरियत अफसर कर्मियों के संबोधित करते हुए सोयांपी चौधारी ने कहा कि साइबर अपराध आज के दौर की एक गंभीर समस्या है।

व्यक्ति, सकरें, लाभ कमाने वाली कंपनियाँ, गैर-लाभकारी संगठन और शैक्षणिक संस्थान सभी साइबर हमलों और डेटा उल्लंघनों के ज़ोखियाँ हैं।

साइबर सुरक्षा इंटरनेट से जुड़े उपक्रमों और सेवाओं को हैकर्स, मीम्स और साइबर अपराधियों के द्वारा उपभोग्य हमलों से बचाने के लिए की जाने वाली सुरक्षा है। कंपनियाँ फिरिंग योजनाओं

लिए मजबूत साइबर सुरक्षा और स्वच्छता बोहद जरूरी है। साइबर सुरक्षा और स्वच्छता से हम अपने डेटा, पैसे और निजी जानकारी को सुरक्षित रख सकते हैं।

मुख्य बक्ता, मुख्य सतर्कता अधिकारी विनीत कुमार, भारतीय राजस्व सेवा ने बताया कि साइबर सुरक्षा डिजिटल हमलों से सिस्टम, नेटवर्क और प्रोग्राम की सुरक्षा करने का अध्याय प्रोग्राम की सुरक्षा करने का अध्याय आवश्यक है। इन साइबर हमलों का उद्देश्य आवासीय पर संदर्भान्वीत जानकारी तक पहुंचना, उसे बदलना या नष्ट करना; रेसम्बेयर के माध्यम से उपयोगकर्ताओं ने पैसे ऐडुकेशन या सामाजिक व्यावसायिक प्रक्रियाओं को खोजना करते होते हैं।

साइबर सुरक्षा इंटरनेट से जुड़े उपक्रमों और सेवाओं को हैकर्स, मीम्स और साइबर अपराधियों के द्वारा उपभोग्य हमलों से बचाने के लिए की जाने वाली सुरक्षा है। कंपनियाँ फिरिंग योजनाओं



रैनसम्बेयर हमलों, पहचान की चोरी, डेटा उल्लंघनों से बचाव के लिए आज के आधुनिक और डिजिटल युग में साइबर सुरक्षा विभाग द्वारा उल्लंघनों के अधिकारियों और अधिकारी विनीत कुमार भारतीय कर्मचारियों को इलेक्ट्रॉनिक्स और राजस्व सेवा ने कार्यशाला में सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के बताया कि साइबर सुरक्षा डिजिटल अरेस्ट जैसी कई चीज़ नहीं हैं। यह रिकॉर्ड मन का डर है, जिसका फायदा साइबर अपराधी उठाते हैं। कोई भी अनजान व्यक्ति फोन कर डाए, धमकाएं तो घबराएं नहीं। उसकी काल काटकर तकलीफुलिस की मदद लें। कहा कि साइबर अपराध से बचाव के लिए कार्यशाला आवश्यक है। किसी भी

स्थिति में डिजिटल अरेस्ट से डरना करें। दबाव में पैसे ट्रांसफर न करें। दबाव में बचाव की योजना तूरंत साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 पर दो बातें जानकारी को रिकॉर्ड करें या यह स्ट्रीनशॉट ले। लभावने वाले और भालू वाले ट्रेइंग और अंसेन्टान गेम से बचें। सेशन को लेने के लिए और भय से दूर रहने के लिए और भय से दूर रहने के लिए सकारात्मक उपाय हैं।

जन संकरे ने बताया कि डिजिटल अपराध की योजने में नहीं आता। डिजिटल अरेस्ट, साइबर डेटा का एक तरीका है। इसमें डाया, पुलिस या कंपनी के अधिकारी विनीत कुमार भारतीय राजस्व सेवा द्वारा इस विशेष कार्यशाला में नेपा लिमिटेड के अधिकारियों और कर्मचारियों को इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) के तहत भारत सरकार द्वारा संचालित साइबर स्वच्छता कानून के लिए बोला या लोखड़े एवं डेवीदास लोखड़े, निलेश पाटिल, अप्रबंधक अनुकृष्ण विजेन्द्र और अंसेन्टान गेम से बचें। देवीदास लोखड़े, सुनील कुमार राव, आशुषोष मिश्र, मुकेश चौहान, देवीदास लोखड़े, निलेश पाटिल, अदिति मतलाने, मीत भट्ट, बिंजेंद्र यादव, दीपक सिंह ठाकुर, शिव उमाले, सुशील चौहान आदि उपस्थित थे।

इन्दियन प्रबंधक कार्मिक एवं प्रशासन महेंद्र केशरी, प्रबंधक सतर्कता संजीव कान्ठे, उपप्रबंधक पावर हाउस सुधीर पटल, उप प्रबंधक अनुकृष्ण विजेन्द्र चौधरी, उप प्रबंधक अंसेन्टान गेम द्वारा उपस्थित थे। देवीदास लोखड़े, निलेश पाटिल, अदिति मतलाने, मीत भट्ट, बिंजेंद्र यादव, दीपक सिंह ठाकुर, शिव उमाले, सुशील चौहान आदि उपस्थित थे।